बराक ओबामा

अनेकों में एक

बराक ओबामा

अनेकों में एक

हम सभी की कहानियाँ होती हैं
- हम में से हरेक की.
यह उन कहानियों में से एक है.
यह कहानी एक छोटे और मज़ाकिया
नाम वाले एक लड़के की कहानी है,
और वो लड़का कैसे अमेरिका के
इतिहास का एक अहम् हिस्सा बना.
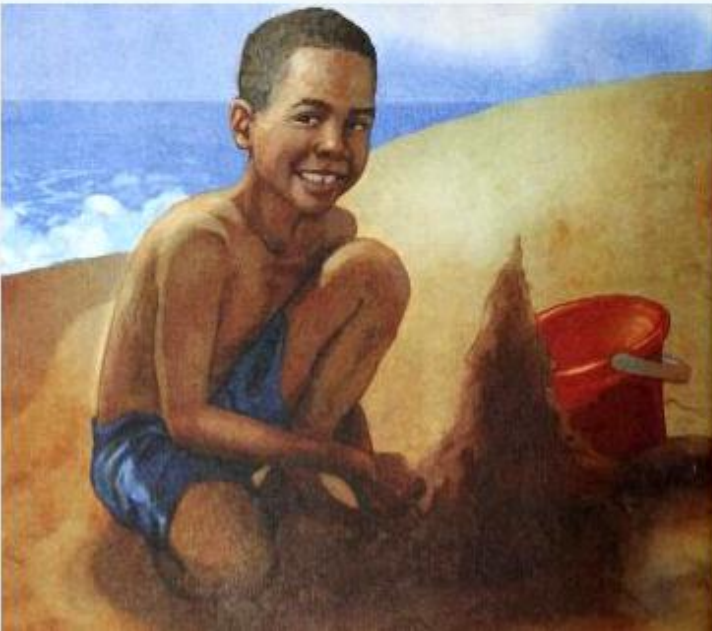
आपने शायद उसके बारे में सुना हो.
उसका नाम बराक ओबामा है.
वो संयुक्त राज्य अमेरिका के
चालीसवें राष्ट्रपति बने.

बराक ओबामा का जन्म

4 अगस्त, 1961 को हवाई में हुआ था.

यह एक ऐसा समय था जब सभी का

मानना था कि अश्वेत लोगों और गोरे

लोगों के समान अधिकार होने चाहिए.

बराक ने उस मान्यता की पुष्टि की.

बराक की माँ, ऐन, सफेद थीं.

वो कंसास से थी.

उनके पिता अश्वेत थे.

वह केन्या से थे.

बराक का नाम

अपने पिता के

ऊपर पड़ा था.
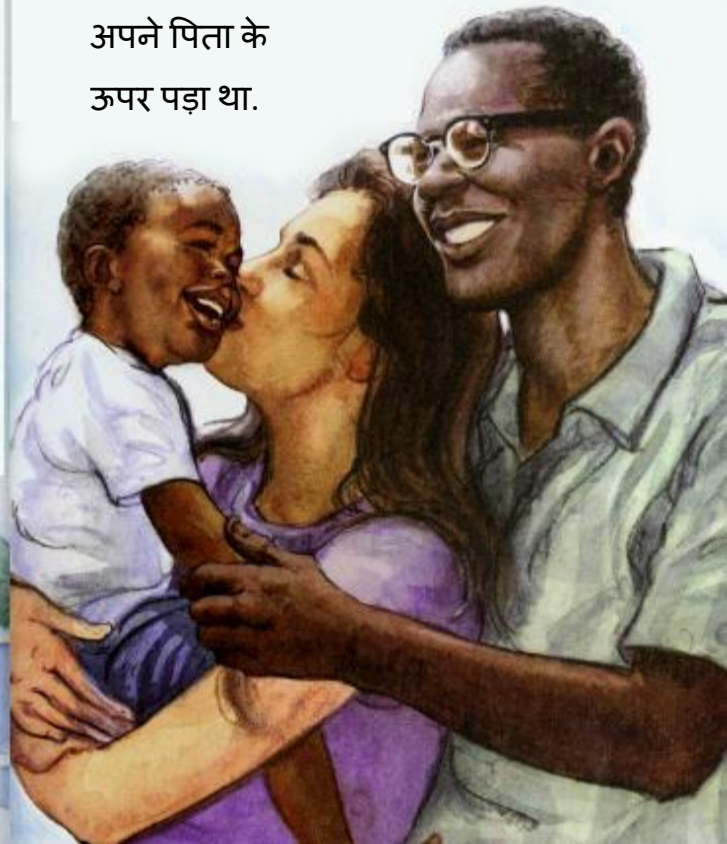
जब बराक दो साल का था,
तब उसके पिता माँ को छोड़कर दूर
चले गए. बराक और उसकी माँ उसके
दादाजी - ग्रैम्प्स और
अपनी दादी - टूट के साथ रहने लगे.

बराक ने अपनी माँ की
कहानियों को सुना
और अपने पिता की कल्पना की
जिन्हें वो बिलकुल नहीं जानता था.

हवाई एक छोटे लड़के के लिए
एक बड़ी अद्भुत जगह थी.
बराक समुद्र के तट पर खेलता था.
उसे चावल की कैंडी और पोर्क और साथ में
“पोई” नाम का हवाई खाना बहुत पसंद था.

वो ग्रैम्प्स के साथ घूमने जाता था.
और वह जहां भी जाता,
उसने सभी जगह
विभिन्न रंगों के लोग
दिखाई देते थे.
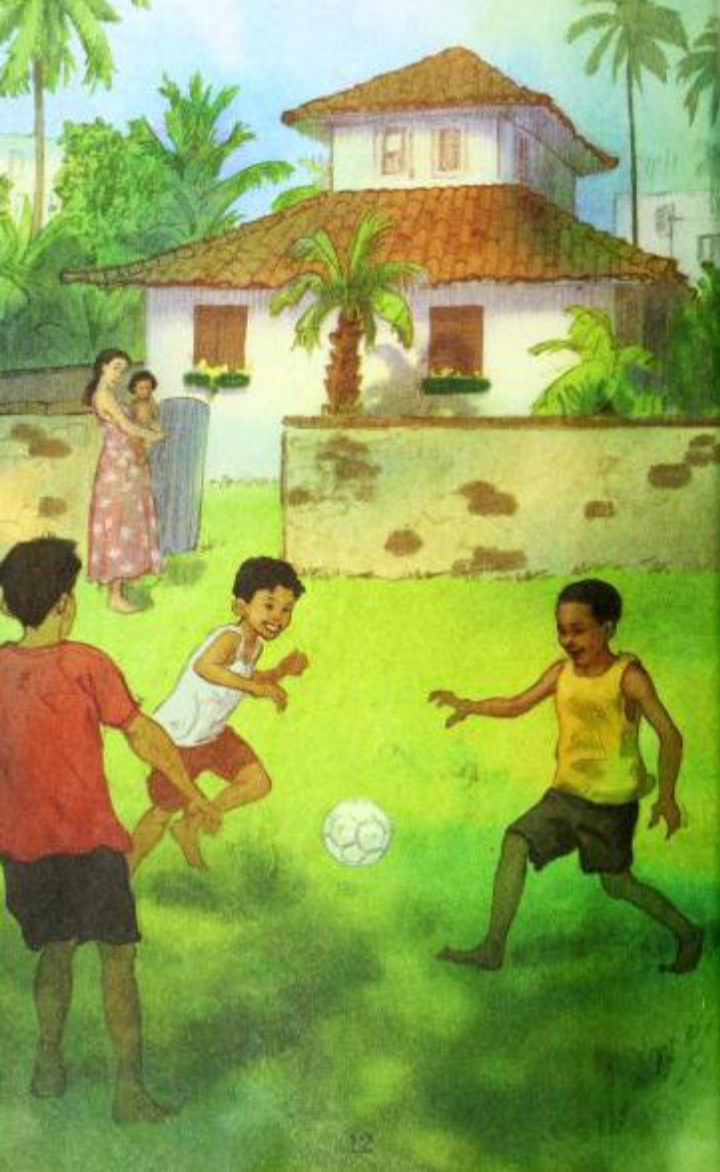
1967 में,

बराक की मां ने दोबारा शादी की.

फिर वो और उसकी माँ

इंडोनेशिया चले गए.

यह एक साहसिक कदम था!

वहां ठीक बराक के पिछ्वाड़े में

पेड़ों से एक पालतू वनमानुष लटकता था.

पास के तालाब में

मगरमच्छ के दो बच्चे तैरते थे.

बराक और उसके दोस्त

फुटबॉल खेलते थे और टिड्डे पकड़ते थे.

अब बराक की छोटी बहन

माया भी उनके साथ थी.
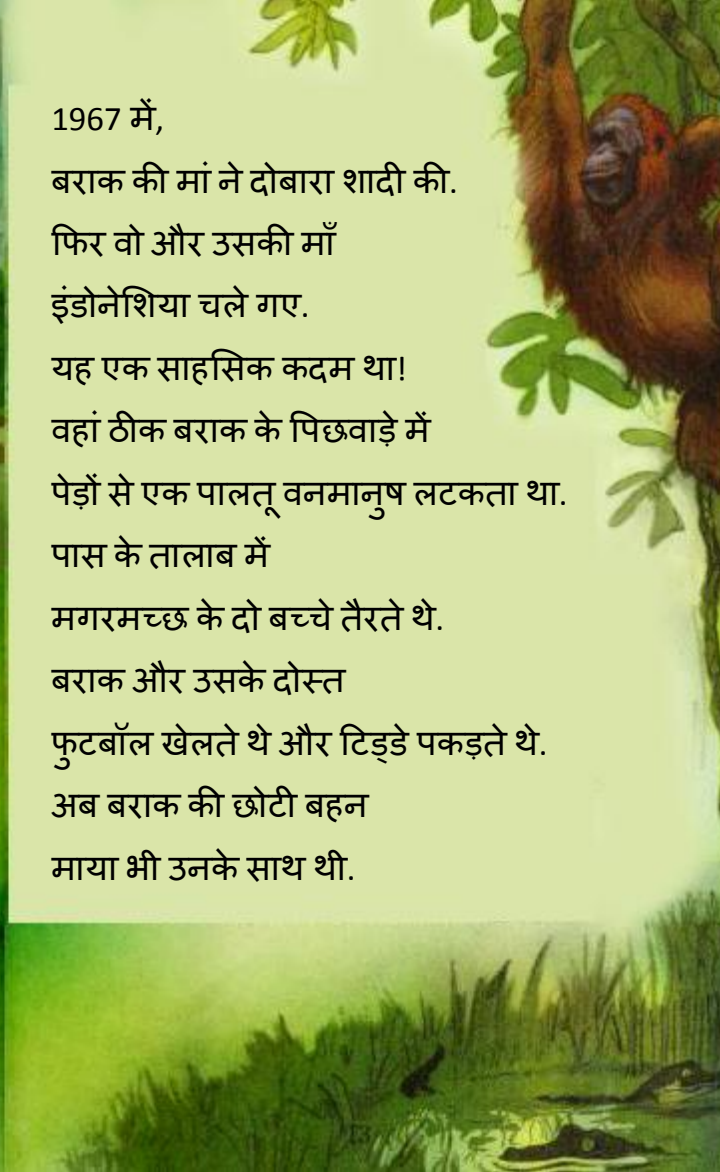
लेकिन कुछ दुखद बातें भी थीं.
जब बराक पत्रिकाओं को पलटता था,
तो उसे अपने जैसा कोई नहीं दिखाई
देता था. स्कूल में कोई भी उसके जैसा
नहीं दिखता था. बराक खुद को बिल्कुल
अलग महसूस करता था. वह कहाँ फिट
होगा? यह उसे अभी पता नहीं था.
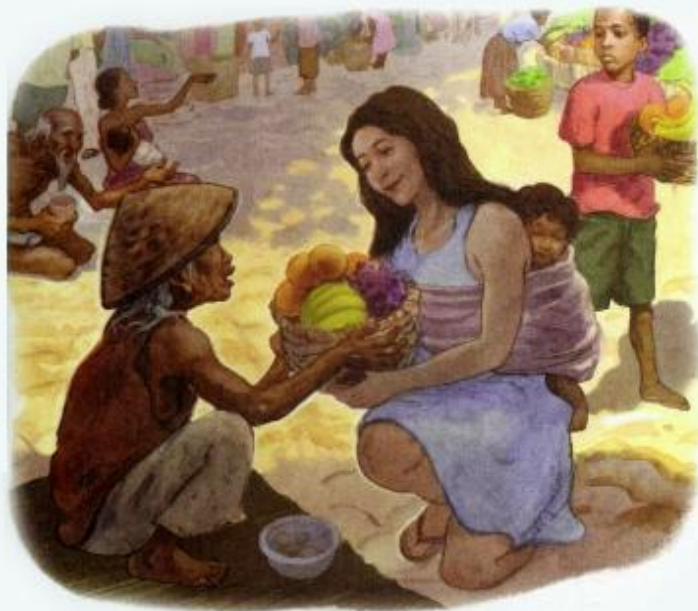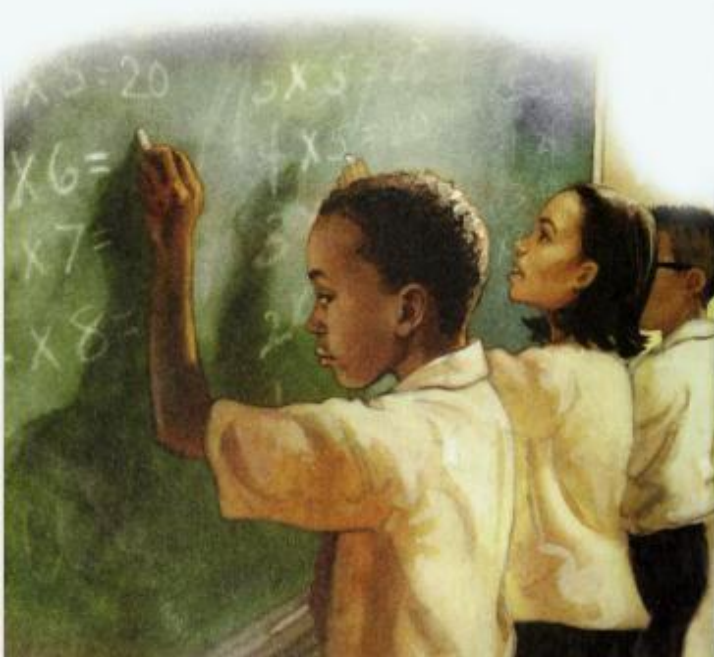
और जब उसने चारों ओर देखा तो
बराक को बहुत से बीमार लोग दिखे.
कई लोग भूखे भी थे.
बराक की मां ने कुछ लोगों की मदद
करने की कोशिश की. लेकिन वह
सभी की मदद नहीं कर सकीं.

बराक की माँ के लिए शिक्षा बहुत महत्वपूर्ण थी. वो घर में पढ़ने के लिए किताबें और पत्रिकाएं लातीं थीं. हर सुबह, पढ़ाई के लिए वो बराक को जल्दी जगातीं थीं. कभी-कभी वो शिकायत भी करता था. लेकिन मां उससे अपनी बात मनवा लेतीं थीं.

माँ ने उसे अच्छे मूल्यों की शिक्षा दी. निष्पक्षता, ईमानदारी और कड़ी मेहनत में उनका विश्वास था. उन्होंने बराक को सिखाया कि सभी लोग अंदर से एक-समान होते हैं.

जब वो दस साल का हुआ तो बराक को हवाई के एक स्कूल में पढ़ने के लिए छात्रवृत्ति मिली. फिर वो ग्रैम्प्स और टूट के साथ रहने के लिए गया. अगले साल मां और माया भी उसके पास रहने को आईं.

बराक होशियार था, पर वो आदर्श नहीं था.
कभी-कभी वो उदास होता था.
कभी-कभी उसे बहुत गुस्सा भी आता था.
वो कहाँ फिट होगा?
यह उसे अभी भी नहीं पता था.

उस साल सर्दियों में बराक के पिता
उससे मिलने के लिए आये.
उन्होंने बराक को एक बास्केटबॉल दी.
बराक, रोज़ाना बास्केटबॉल का
अभ्यास करता था.
टूट उसका हौसला बढ़ाती थीं.
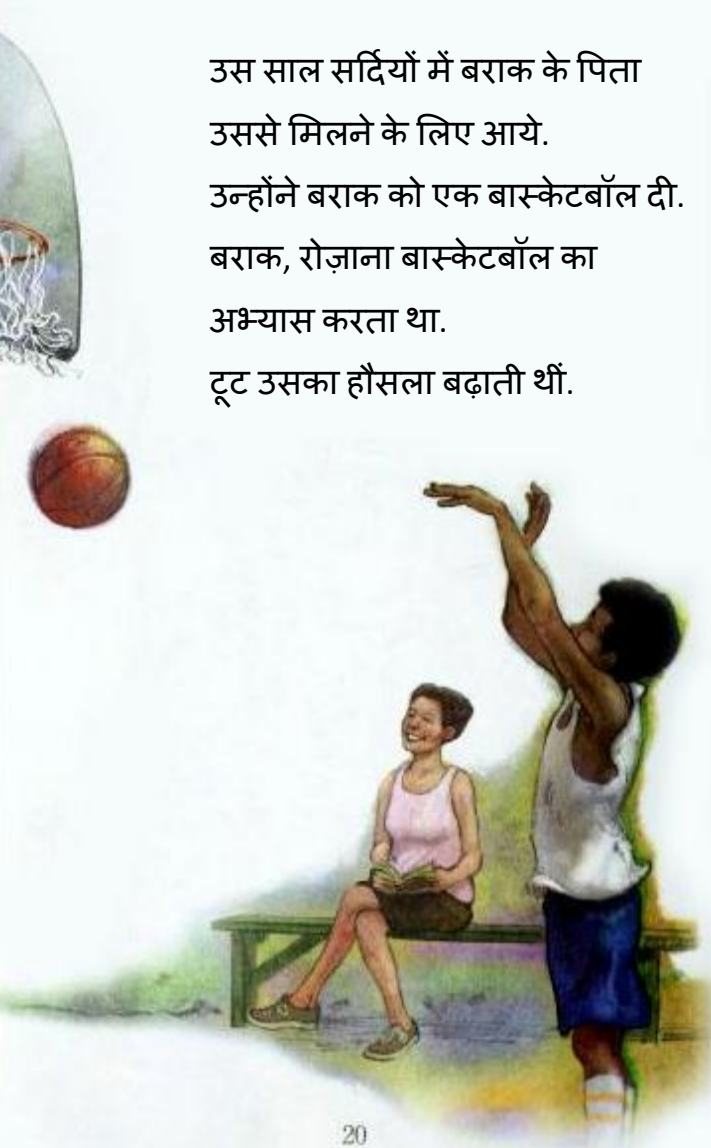
हाई स्कूल में बराक बास्केटबॉल
की टीम में शामिल हुआ.
उसने अपने साथियों के साथ एक
सामूहिक लक्ष्य के लिए काम किया.
अब बराक को पहली बार लगा
जैसे वो ठीक फिट हुआ हो.

बराक कॉलेज गया.
उसने संग्रहालयों का दौरा किया.
उसने प्रेरक भाषण सुने.
उसने काफी समय पैदल चलने
और सोचने में बिताया.
उसने इंडोनेशिया के गरीबों को
याद किया. उसे अपने देश की
गरीबी के बारे में अपनी माँ के
सबक याद आये.

कुछ समय पहले,
विभिन्न रंगों के लोग
एक-साथ स्कूल नहीं जा सकते थे.
वे एक ही पीने के पानी का नल
उपयोग नहीं कर सकते थे. .
काले लोग वोट भी नहीं दे सकते थे.
बराक उन लोगों से प्रेरित था
जिन्होंने इस तस्वीर को
बदलने के लिए संघर्ष किया था.

कॉलेज के तुरंत बाद,
बराक को शिकागो में नौकरी मिली.
उसने लोगों को वोट देने के लिए
रजिस्टर करने में मदद की.
उसने स्कूल के बाद बच्चों के लिए
कार्यक्रमों की स्थापना की.
उसने लोगों को नौकरी
दिलाने का काम किया.
जितना अधिक उसने दूसरों की मदद
की, उतना ही वह दुनिया में अपनी
जगह को समझ पाया.
"मुझे पता चला कि कैसे मेरी .....
कहानी - अमेरिका की बड़ी कहानी में
फिट बैठती है," उसने बाद में कहा.

बराक अनुचित कानूनों से लड़ना
चाहता था.
इसलिए वह कानून के स्कूल में गया.
एक गर्मियों में उसकी मुलाक़ात
मिशेल नामक एक स्मार्ट
युवा वकील से हुई.
बराक और मिशेल ने शादी कर ली.
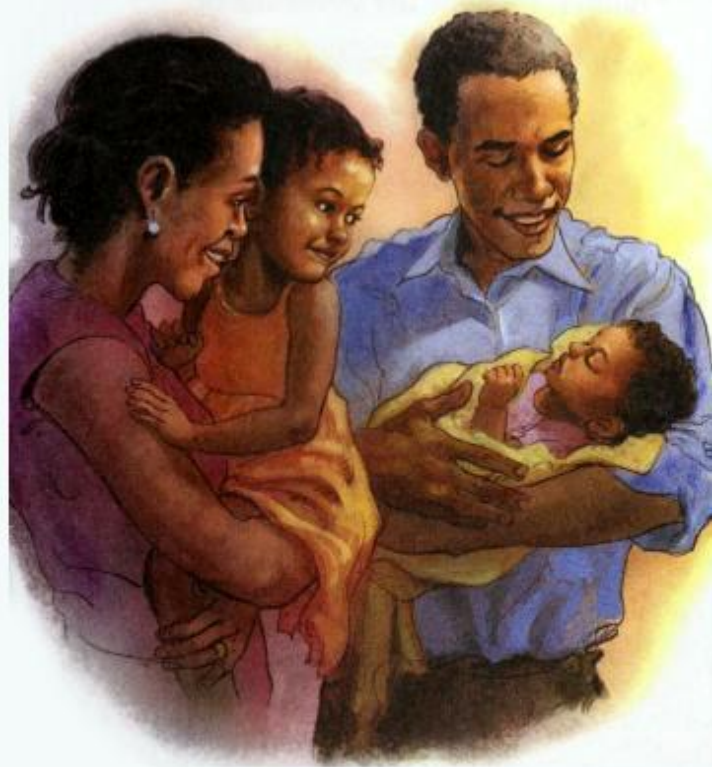
उनकी दो छोटी लड़कियाँ हुईं,
मालिया और साशा.

बराक ने सोचा कि सरकार लोगों को
बेहतर जीवन देने में मदद कर सकती थी.
इसलिए वे राज्य के सेनेटर बन गए.
फिर, 2004 में, उन्होंने अमेरिकी सेनेट के
लिए चुनाव लड़ा और वो उसमें जीत गए.
उस गर्मी में, उन्होंने एक भाषण दिया.

उन्होंने उन मूल्यों के बारे में बात की,
जो उनकी मां ने उन्हें सिखाये थे.
उन्होंने कहा कि सभी अमेरिकी लोग एक-
सामान हैं और उन सभी के समान अधिकार हैं.
"काला अमेरिका, सफेद अमेरिका, लातीनी
अमेरिका और एशियाई अमेरिका जैसा कुछ
भी नहीं है - हमारा देश संयुक्त राज्य अमेरिका
है!" उन्होंने कहा.
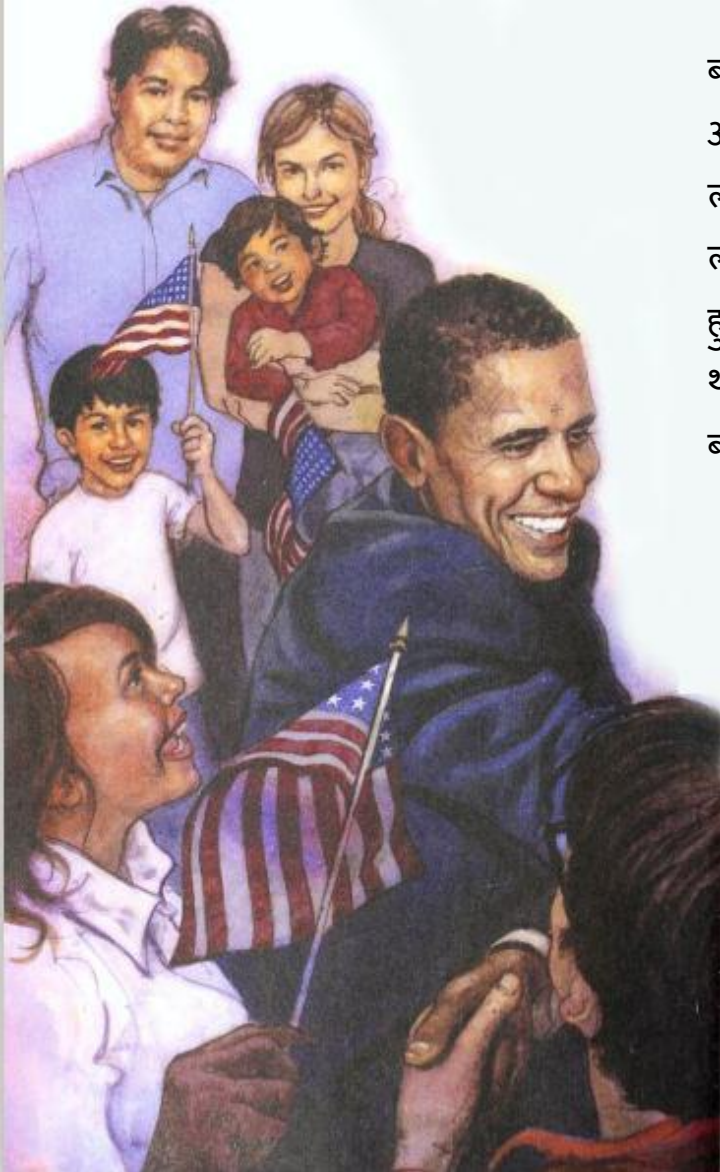
बराक के शब्दों ने लोगों के दिल में आशा भर दी. अमेरिका युद्ध में था. लोगों को रोजगार चाहिए था. लोगों को अच्छे स्वास्थ्य की जरूरत थी. लोगों ने जब बराक की बात सुनी और उन्हें विश्वास हुआ कि अमेरिका बदल सकता था. उनका मानना था कि अमेरिका बेहतर बन सकता था. लोगों ने बराक से राष्ट्रपति का चुनाव लड़ने को कहा!

एक अफ्रीकी अमेरिकी
(अश्वेत) कभी भी राष्ट्रपति
नहीं चुना गया था.
बहुत से लोगों ने सोचा कि
अमेरिकी लोग एक अफ्रीकी
अमेरिकी को वोट नहीं देंगे.
लेकिन बराक को इससे
बेहतर पता था.
10 फरवरी, 2007 को,
उन्होंने राष्ट्रपति चुनाव
लड़ने की घोषणा की.
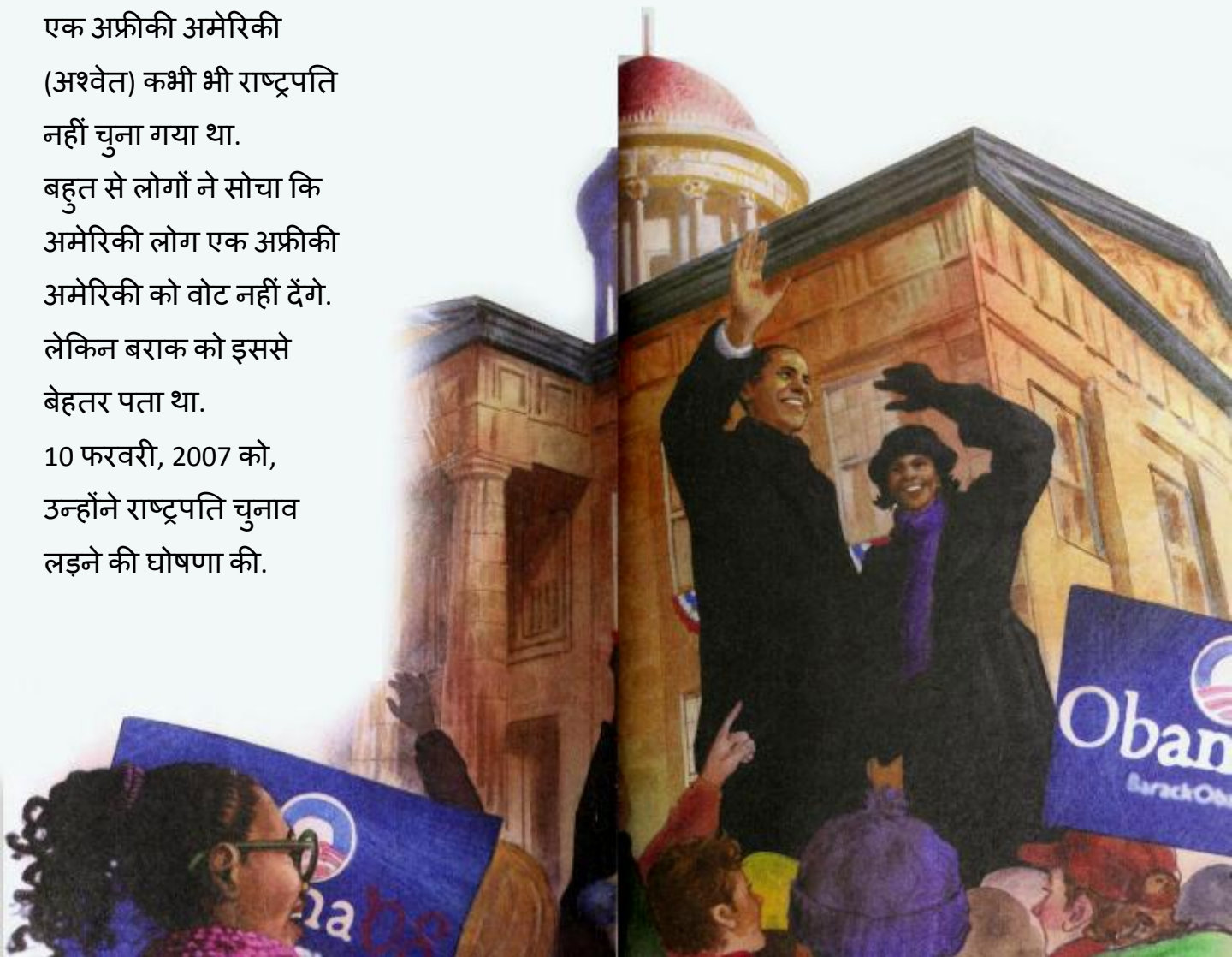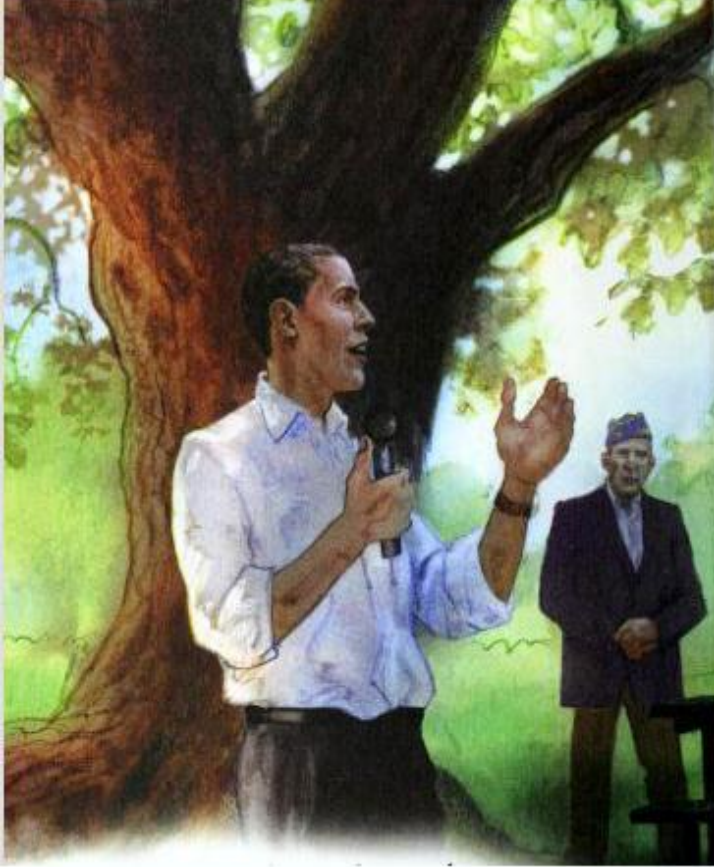
उन्होंने इस बारे में बात की कि कैसे अमेरिकी लोग मिलकर दुनिया को एक बेहतर जगह बना सकते थे. यहां तक कि इसमें बच्चे भी मदद कर सकते थे.

"हम में से हरेक अपने खुद के सपनों की तलाश करने के लिए स्वतंत्र है, लेकिन हमें एक सामान्य उद्देश्य के लिए भी काम करना चाहिए," उन्होंने कहा.
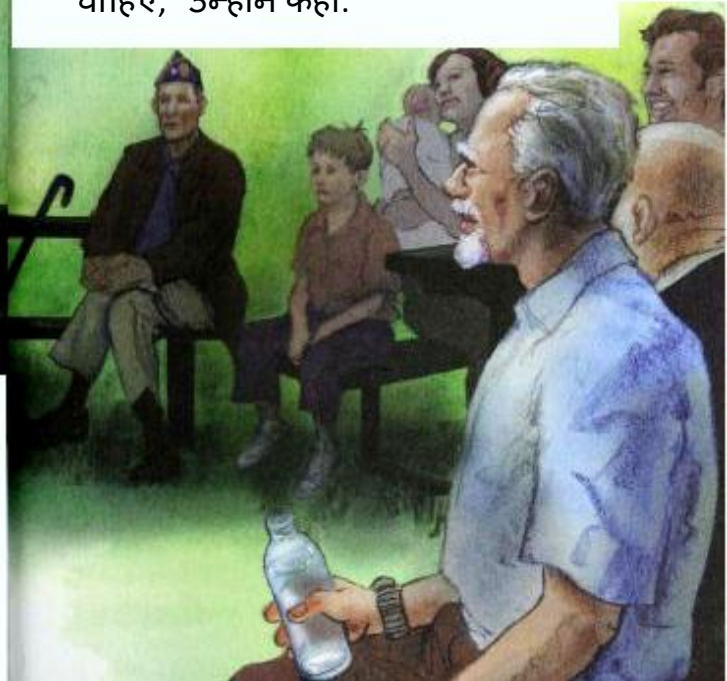
महीनों तक बराक ने पूरे अमेरिका की यात्रा की. उन्होंने बदलाव की बात की, उन्होंने दूसरों की मदद करने की बात की.

जितना अधिक उन्होंने अपनी
योजनाओं को साझा किया,
लोग उतने अधिक उत्साहित हुए.
बहुत जल्द, बराक के स्वयंसेवक
हर राज्य में मौजूद थे.
वे चाय पर चर्चा कर रहे थे
और पार्टियां आयोजित कर रहे थे.
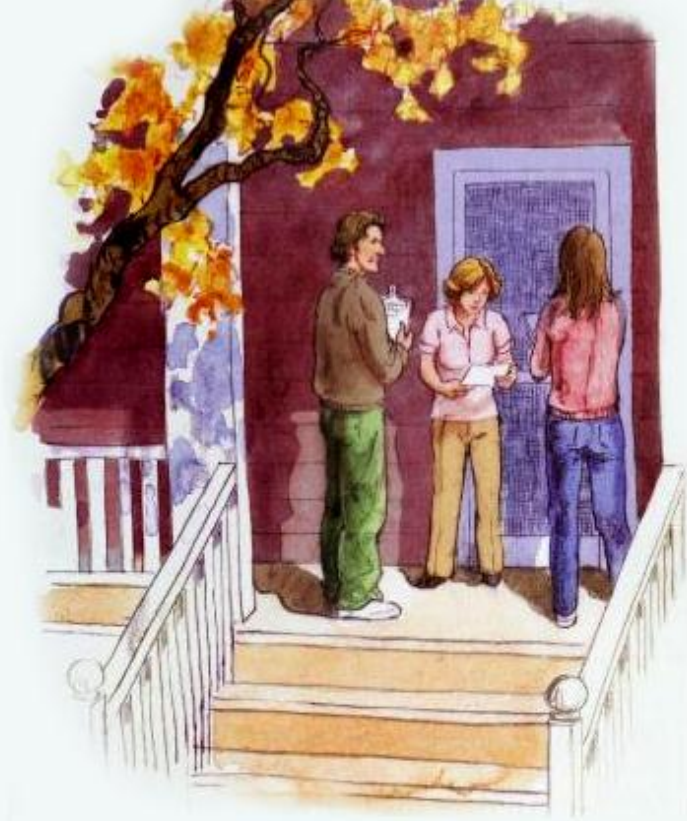
उन्होंने पोस्टर लगाए और लोगों में
पर्चियां बांटीं. उन्होंने घर-घर जाकर
लोगों से वोट डालने को कहा.

आखिरकार, चुनाव का दिन आया!
पूरे देश में लोग वोट डालने के लिए
निकले. बूढ़े लोग और युवा लोग,
सभी रंगों के लोग, कुल मिलकर
130 मिलियन से अधिक लोग.

कई ने लंबी लाइनों में इंतजार किया.
कुछ ने दूर से ही अपने मतों को
डाक से भेज दिया.
कुछ ने पहले कभी वोट नहीं किया था.
लेकिन जब उन्होंने मतदान किया,
तो वे सभी अमेरिका की कहानी का
हिस्सा बन गए.

जब वोटों की गिनती हुई तब
बराक जीत गए! लगभग
67 मिलियन लोगों ने बराक
ओबामा को वोट दिया.
उन्हें पहले के किसी अन्य
राष्ट्रपति से ज्यादा वोट मिले थे!

गलियों में लोगों ने जलसे मनाए.
हार्लेम से हवाई तक, कैनसस से केन्या
तक, लोगों ने नृत्य किया और खुश
होकर एक-दूसरे को गले लगाया.
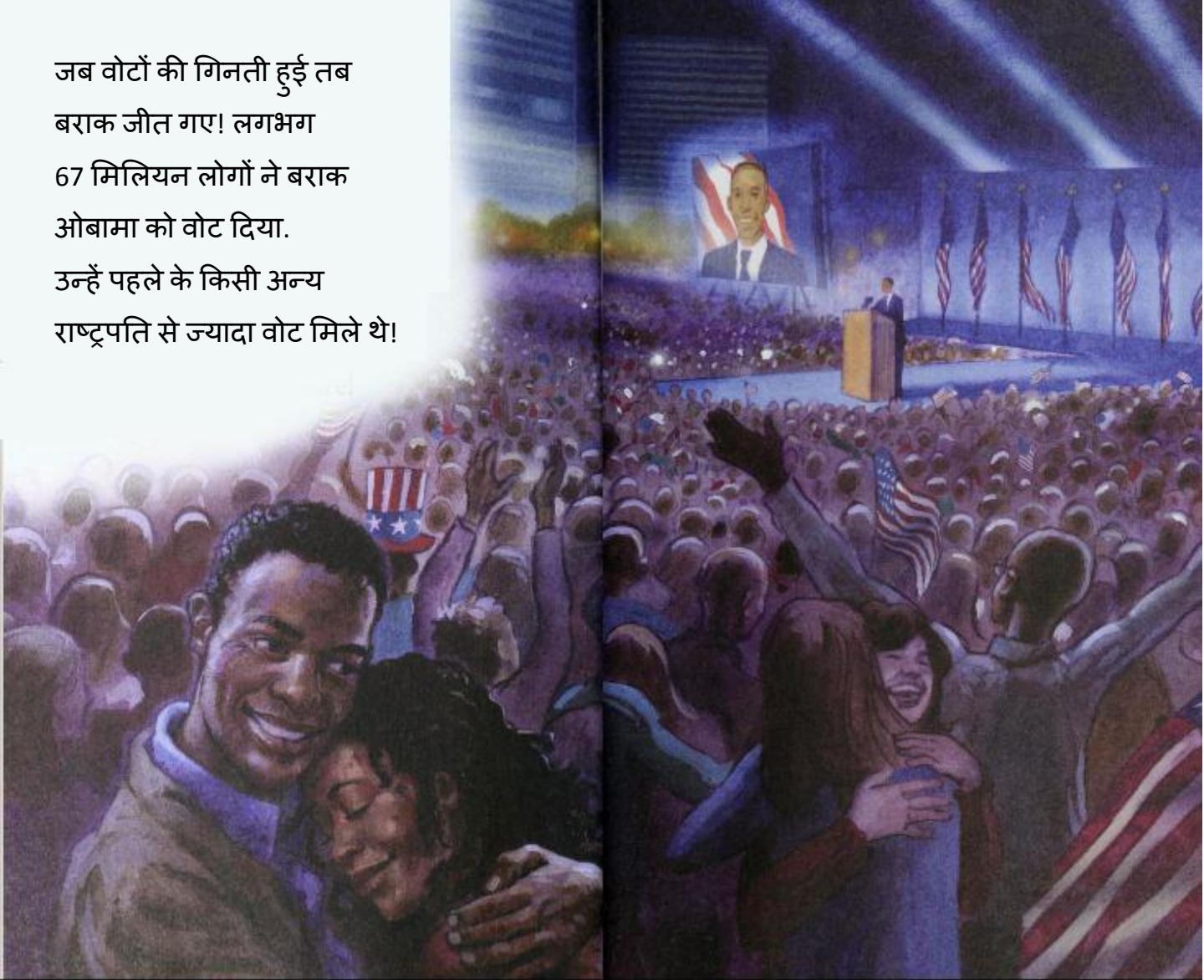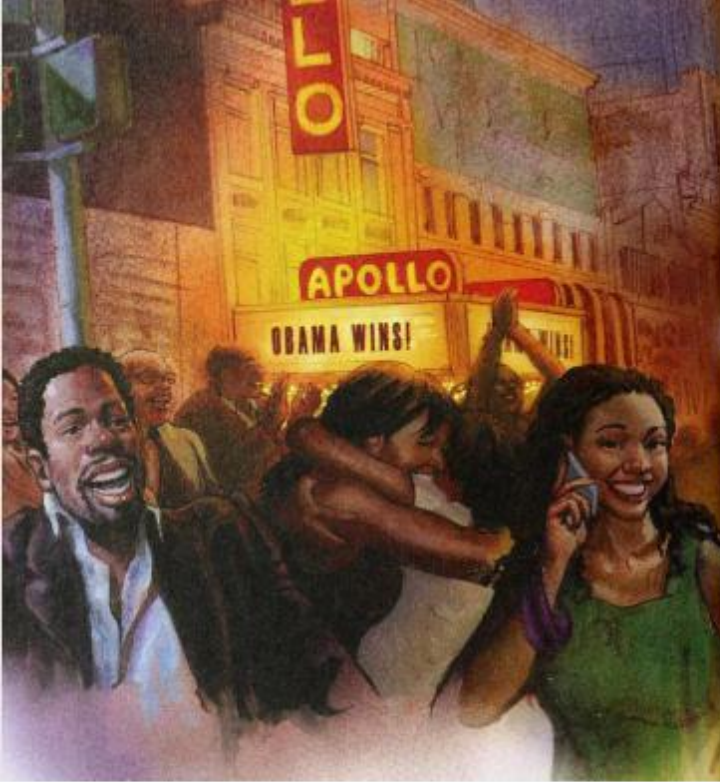
बहुतों ने खुशी के आंसू रोए.
"अमेरिका एक ऐसी जगह है जहां सभी
चीजें संभव हैं!" ओबामा ने कहा.
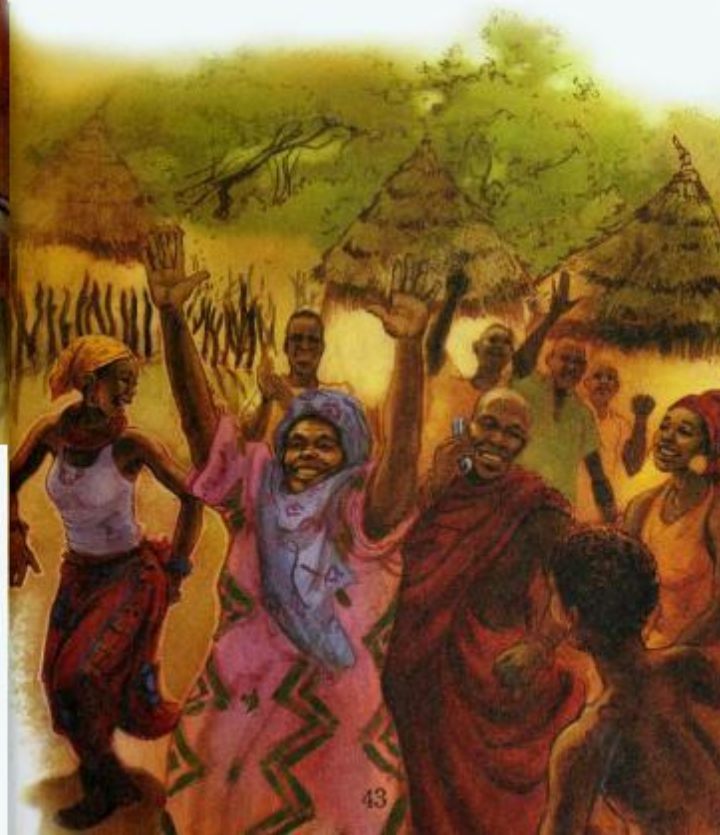
और उन्होंने सही ही कहा था.
20 जनवरी 2009 को,
बराक ओबामा अमेरिका के
पहले अश्वेत राष्ट्रपति बने.
एक लाख से अधिक लोग
वाशिंगटन डी.सी. में
समारोह देखने के लिए आए.
लाखों लोगों ने समारोह को
टेलीविजन पर देखा.

दुनिया भर में, सभी रंगों के लोग
एक साथ आए और उन्होंने नए
राष्ट्रपति के उन मूल्यों के बारे में
सुना, जो उनकी मां ने उन्हें बहुत
पहले सिखाए थे.
उन्होंने साथ काम करने और दूसरों
की मदद करने की बात कही.
"समय आ गया है .. हमारे बेहतर
इतिहास को चुनने के लिए!" उन्होंने
कहा. और उसके साथ, अमेरिका की
कहानी का एक नया हिस्सा शुरू
हुआ.
वो कहानी अभी पूरी नहीं हुई है.
वास्तव में, वोअभी शुरू हो रही है.
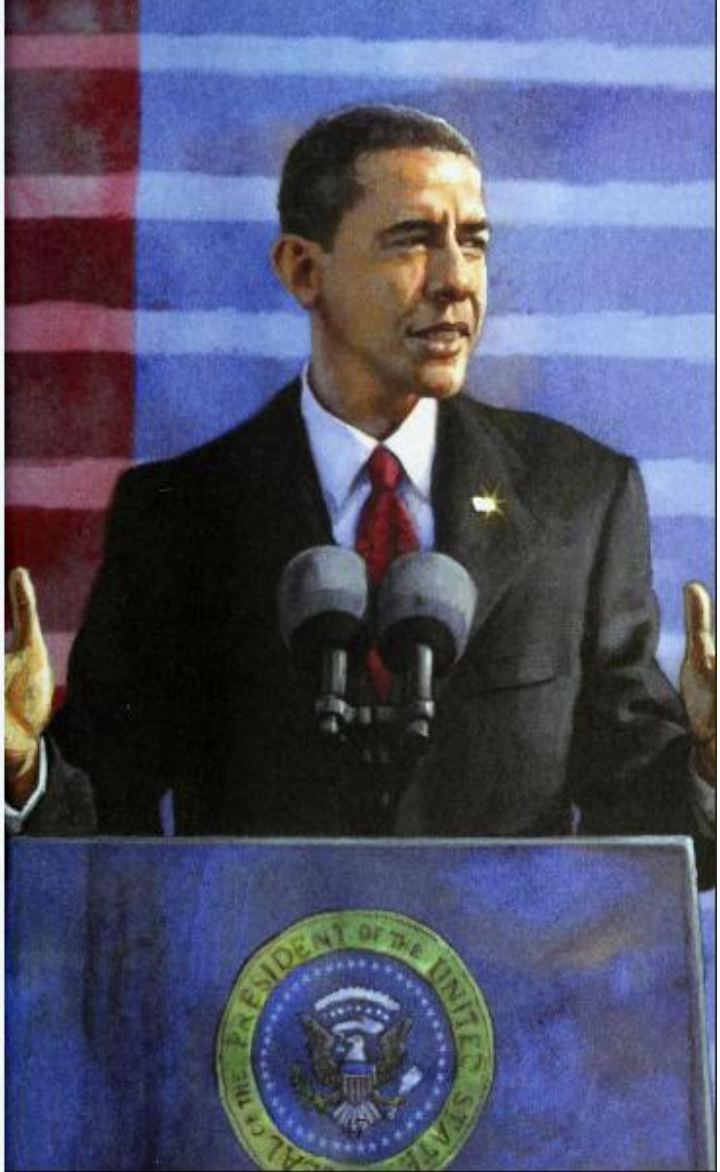
आपकी कहानी,

अमेरिकी कहानी में

कहाँ फिट होती है?

आप अपने पड़ोसी या पास के स्कूल

की मदद कर सकते हैं.

आप भी बड़े होकर अमरीका के

राष्ट्रपति बन सकते हैं!

कुछ भी संभव है - आगे क्या होगा

यह आप पर निर्भर है!

समाप्त